निवाई में आये तेज अंधड़ ने तबाही मचाई, सैंकड़ों पेड़ व विद्युत पोल गिरे

दो दिन से ग्रामीण इलाकों में बिजली गुल है और लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं

निवाई, (निसं)। उपखण्ड मुख्यालय सहित क्षेत्र के अनेक गांवों में शनिवार की देर शाम आए भीषण अंधड़ से सैंकड़ों पेड़ व विद्युत पोल धराशाही हो गए, जिससे पिछले दो दिन से ग्रामीण इलाकों में बिजली पूरी तरह गुल है और लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। बिजली संकट के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तेज अंधड़ का सबसे ज्यादा असर ग्राम पंचायत सुनारा के दर्जनों गांवों में देखने को मिला, जहां पेड़ों व बिजली के खंभों के टूटने के साथ-साथ लोगों के घरों के चद्दर और छप्पर तक उड़ गए।

निवाई में आये तेज अंधड़ से नेट हाउस गिर गया।

नुकसान का जायजा लेने पहुंचे गिरदावर घोलूराम मीणा, पटवारी दिप्ती शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष केदार दोहण व सरपंच प्रतिनिधि गणेश शर्मा ने बताया कि इस प्राकृतिक आपदा में ग्रामीणों का भारी नुकसान हुआ है। अंधड़ के दौरान ग्रामीण भगवान जाट के कुएं पर लगी सौर ऊर्जा की आधा दर्जन प्लेटें उड़ गईं। वहीं कजोड़ जाट, केदार जाट, कन्हैयालाल गुगड, रतनलाल जाट, गोपाल बैरवा, भंवरलाल बैरवा, हनुमान जमादार व हरिनारायण मीणा के घरों पर लगे टीनशेड हवा में उड़ गए। अंधड़ के कारण कई जगहों पर दीवारें ढहने से भी बड़ा नुकसान हुआ है। कजोड़ जाट के ट्रैक्टर पर दीवार गिरने से ट्रैक्टर क्षतिग्रस्त हो गया। गोपाल बैरवा के मकान की दीवार ढहने से मलबे में दबकर 4 बकरियों की दर्दनाक मौत हो गई। इसके अलावा भगवान जाट, कजोड़ जाट, रामकिशोर जाट व गोपाललाल बैरवा के मकानों की दीवारें भी ढह गईं। क्षेत्र के किसान जगदीश खोखर के खेतों में लगा करीब 10 लाख रुपए की लागत का नेट हाउस भी धराशाही हो गया। अंधड़ की चपेट में आने से क्षेत्र में सैंकड़ों भारी पेड़ जड़ से उखड़ गए, दो विद्युत डीपी एवं करीब दो दर्जन से अधिक विद्युत पोल पूरी तरह जमींदोज हो गए। विद्युत बुनियादी ढांचा पूरी तरह तबाह होने के कारण पिछले दो दिनों से गांवों में बिजली की सप्लाई पूरी तरह ठप पड़ी है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इसी प्रकार गांव रजवास में तेज आंधी से मकान के कमरों व जानवरों की छाया के लिए लगाए गए टीन शेड उडकर दूर जा गिरे। ग्रामीण मूलचंद जाट, रामप्रसाद जाट, दिनेश जाट ने कमरों व जानवरों की छाया के लिए टीन लगाएं थे। शनिवार को आए तेज अंधड़ से कमरों के किवाड़ उखड़कर जानवरों के पास ही जा गिरे, जिससे एक भैंस के चौट लग गई। इसी प्रकार कमरों पर लगे हुए चद्दर भी उड़ गए। गांव सुरिया से राहोली जाने वाली सड़क पर बीचो-बीच अंधड़ से बबूल का पेड़ गिर गया, जिससे वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

वनस्थली क्षेत्र से तूफान से विद्युत तंत्र चरमराया

- तेज अंधड़ का सबसे ज्यादा असर ग्राम पंचायत सुनारा के दर्जनों गांवों में देखने को मिला

निवाई, (निसं)। शनिवार की देर शाम आए भीषण आंधी-तूफान ने क्षेत्र में भारी तबाही मचाई है। विद्युत विभाग के सहायक अभियन्ता ए-सेकण्ड के क्षेत्राधिकार में आने वाले क्षेत्र में तीव्र आंधी-तूफान से विद्युत वितरण तंत्र को व्यापक क्षति पहुंची है। इस प्राकृतिक आपदा के परिणामस्वरूप विद्युत लाइनें टूट गईं, पोल धराशाही हो गए और ट्रांसफार्मरों सहित अन्य विद्युत परिसंपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे पूरे क्षेत्र की बिजली गुल हो गई। इस आपदा से मुख्य रूप से वनस्थली, बिडोली, सूरिया, पलेई, मोतीपुरा, लुहारा, सुनारी, खणदेवत, चिकाना व सीदड़ा सहित कई गांव सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई स्थानों पर पोल व लाइनें पूरी धराशाही हो गईं, जिससे विभाग को करीब 1.20 करोड़ की वित्तीय हानि हुई है। घटना को देखते हुए सहायक अभियन्ता धनराज टाटावट सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम ने तत्काल प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। इसके तुरंत बाद क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया। वर्तमान में प्रभावित गांवों में विद्युत तंत्र के पुनर्स्थापन एवं बिजली की पूर्ण बहाली के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

सहायक अभियन्ता धनराज टाटावट ने बताया कि उपभोक्ताओं को जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विभाग ने अपने सभी आवश्यक संसाधनों को काम पर लगा दिया है।

पांचना बांध से नहरों में पानी छोड़ने की मांग को लेकर आंदोलन जारी

हजारों किसानों ने नहरों में शीघ्र पानी छोड़े जाने की मांग दोहराई और आंदोलन को अनिश्चितकाल तक जारी रखने का संकल्प लिया

- 'पांचना बांध से नहरों में पानी छोड़े जाने का मुद्दा किसानों की आजीविका, फसल और भविष्य से जुड़ा है जब तक किसानों को उनके हिस्से का पानी नहीं मिल जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा'

गंगापुर सिटी, (निसं)। वजीरपुर उपखंड के ग्राम खंडीप में पांचना बांध से कमांड क्षेत्र की नहरों में पानी छोड़ने की मांग को लेकर किसान महापंचायत रविवार को तीसरे दिन भी जारी रही। हजारों किसानों ने नहरों में शीघ्र पानी छोड़ जाने की मांग दोहराई और आंदोलन को अनिश्चितकाल तक जारी रखने का संकल्प लिया। इस महापंचायत में क्षेत्र के हजारों किसान, जनप्रतिनिधि, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। महापंचायत स्थल पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और आला अधिकारी तैनात थे।

महापंचायत में गंगापुर सिटी विधायक रामकेश मीणा, टोडाभीम विधायक घनश्याम महर, करौली के पूर्व विधायक लाखन सिंह मीणा और पांचना कमांड क्षेत्र विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष बटुआ पटेल सहित कई पदाधिकारी एवं विभिन्न गांवों के पंच-पटेल मौजूद रहे। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि पांचना बांध का पानी कमांड क्षेत्र के किसानों का अधिकार है और सरकार को इस पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। आंदोलन को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए पांचना कमांड क्षेत्र विकास संघर्ष समिति ने विभिन्न गांवों को क्रमवार जिम्मेदारियां सौंपी हैं। समिति के अनुसार 7 जून सुबह 10 बजे तक धरना स्थल की व्यवस्था की जिम्मेदारी ग्राम किशोरपुर को दी गई थी।

किशोरपुर के ग्रामीण और किसान जुलूस के रूप में आंदोलन स्थल पहुंचे और अपनी जिम्मेदारी निभाई। रविवार सुबह 10 बजे से अगले 24 घंटों के लिए ग्राम खेड़ली-बगलाई के किसानों और ग्रामीणों ने आंदोलन स्थल की व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली। विधायक रामकेश मीणा ने कहा कि पांचना बांध से नहरों में पानी छोड़े जाने का मुद्दा किसानों की आजीविका, फसल और भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक किसानों को उनके हिस्से का पानी नहीं मिल जाता, तब तक किसान महापंचायत और आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने किसानों से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि यह संघर्ष किसी राजनीतिक उद्देश्य के लिए नहीं, बल्कि किसानों के अधिकारों की लड़ाई है। महापंचायत में उपस्थित किसानों ने भी अपनी मांग पूरी होने तक आंदोलन को मजबूती से जारी रखने का संकल्प दोहराया। महापंचायत के दौरान लोक कलाकार झंडू, शेखपुरा, धवले लालारामपुरा, राजू रिछोटी एवं अन्य कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर किसानों का उत्साहवर्धन किया। वहीं धरना स्थल पर पेयजल, भोजन, छाया और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का संचालन ग्राम खंडीप के पंच-पटेलों और युवा कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा है।

दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे पर ट्रक से टकराई कार, एक की मौत, तीन घायल

- उज्जैन से महाकाल के दर्शन कर अम्बाला लौटते समय सीमलिया थाना इलाके में हुआ हादसा, दुर्घटना के बाद कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई

कोटा, (निसं)। सीमलिया थाना इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर कराड़िया इंटरचेंज के नजदीक कार रोड साइड खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में एक जने की मौत हो गई वहीं तीन जने घायल हो गये। हादसा उस समय हुआ जब कार में सवार चार जने उज्जैन महाकाल के दर्शन करके वापस अम्बाला लौट रहे थे। हादसे में कार में सवार चार जनों में से एक की मौत हो गई। सिमलिया इलाके के कराड़िया के समीप हादसे की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया, हादसे में घायल तीन लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव सौंप दिया।

सीमलिया थाना अधिकारी नंद सिंह ने बताया कि हरियाणा के अंबाला निवासी चार लोग उज्जैन महाकाल के दर्शन के लिए गए थे। उज्जैन से हरियाणा वापस लौटते समय दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे कराड़िया के समीप कार 8 लेन पर साईड में खड़े हुए ट्रक में पीछे से घुस गई। थानाधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के बाद कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और कार में आगे की तरफ बैठे व्यक्ति फंस गए थे। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाल कर एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद एक जने को मृत घोषित कर दिया।

थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में हरियाणा अंबाला के नारायणढ़ निवासी शिविश वशिष्ठ (48) की मौत हो गई एवं हादसे में रोहित, सानिध्य और पुनीत घायल हो गये, जिन्हें उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। ट्रक को डिटेन कर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

एमएसपी पर गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ी

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को किसान मोर्चा हनुमानगढ़ के पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील गोदारा द्वारा लिखे गए पत्र पर राज्य सरकार ने त्वरित संज्ञान लेते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया है।

प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भजनलाल सरकार के इस निर्णय से श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ सहित प्रदेश के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। राठौड़ ने बताया कि किसान नेता सुशील गोदारा ने विगत दिनों पत्र लिखकर अवगत कराया था कि श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ क्षेत्र में बड़ी संख्या में किसानों का गेहूं अभी भी खरीद केंद्रों पर नहीं बिक पाया है। गोदारा ने गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ाने तथा पर्याप्त बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की थी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार किसानों के हितों में जनकल्याण के लिए सदैव तत्पर है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के समक्ष किसानों की इस समस्या को रखने पर उन्होंने एमएसपी पर गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ाते हुए 12 जून करने का फैसला किया। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री शर्मा ने गेहूं खरीद का लक्ष्य 28.5 लाख मीट्रिक टन कर दिया। राठौड़ ने कहा कि भाजपा सदैव किसान हितों के प्रति प्रतिबद्ध रही है। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के हजारों किसानों को अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेचने का अवसर मिलेगा।

भीलवाड़ा में शादी कार्यक्रम में हुई युवक की हत्या का खुलासा

- पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया

भीलवाड़ा, (निसं)। बागोर थाना पुलिस ने लक्ष्मणगढ़ कॉलोनी में हुए निर्मम हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी किशन कंजर और उसकी पत्नी सनूड़ी कंजर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि इस जघन्य अपराध में संलिप्त एक विधि के विरुद्ध संघर्षरत बाल अपचारी को भी निरुद्ध किया है। पारिवारिक रंजिश और शादी के संगीत कार्यक्रम के दौरान नाचने की बात को लेकर हुए मामूली विवाद के बाद इस खूनी वारदात को अंजाम दिया गया था।

बागोर थाने में मृतक विनोद कंजर के भाई कैलाश कंजर, निवासी लक्ष्मणगढ़ कॉलोनी द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार, मृतक विनोद कंजर की पुत्री अंजलि का विवाह आगामी 8 जून को होना तय हुआ था। घर में शादी की तैयारियां बड़े ही धूमधाम से चल रही थीं। 3 जून की रात्रि करीब नौ बजे घर के बाहर चौक में डीजे बज रहा था और परिवार के लोग जश्न मना रहे थे। इसी दौरान विनोद कंजर मकान के बाहर चौक में बैठे हुए थे। तभी पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी कमलेश कंजर, किशन कंजर और सनूड़ी कंजर एकराय होकर हथियार और कुल्हाड़ी लेकर वहां पहुंचे। आरोपियों ने आते ही विनोद कंजर पर जानलेवा हमला बोल दिया। आरोपी किशन कंजर ने विनोद के सिर पर कुल्हाड़ी से वार किए, जिससे विनोद कंजर लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद शादी वाले घर की खुशियां चीख-पुकार और मातम में बदल गई। प्रार्थी की रिपोर्ट पर बागोर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पुलिस अनुसंधान में सामने आया कि मुख्य अभियुक्त किशन कंजर, मृतक विनोद कंजर का सगा भतीजा है। दोनों परिवारों के बीच पिछले कुछ समय से किसी बात को लेकर गहरी रंजिश चल रही थी। 3 जून की रात जब अंजलि के विवाह का महिला संगीत कार्यक्रम चल रहा था, तब अभियुक्तों द्वारा विनोद कंजर के घर के बाहर नाचने की बात को लेकर जानबूझकर विवाद खड़ा किया गया। बात बढ़ने पर आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से लाठी, डंडों और कुल्हाड़ी से हमला कर विनोद की बेरहमी से हत्या कर दी।

मुखबिरी तंत्र की मदद से पुलिस टीम ने फरार चल रहे आरोपियों को घेराबंदी कर धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी किशन कंजर पुत्र राकेश कंजर, निवासी लक्ष्मणगढ़ कॉलोनी, बागोर, भीलवाड़ा, मुख्य हमलावर और सनूड़ी कंजर पत्नी किशन कंजर, निवासी लक्ष्मणगढ़ कॉलोनी, बागोर, भीलवाड़ा सह-आरोपी इसके अतिरिक्त वारदात में शामिल एक बाल अपचारी को भी पुलिस संरक्षण में लेकर निरुद्ध किया गया है। पुलिस गिरफ्त में आए दोनों आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है।

हिंडौन सिटी में एक किसान को अपनी ही जमीन का नहीं मिल रहा कब्जा

नौ साल लंबी कानूनी लड़ाई जीतने और तहसीलदार के फैसले के बाद भी कब्जा नहीं मिला

हिंडौन सिटी, (निसं)। टोडाभीम तहसील क्षेत्र के राजस्व ग्राम नांगल सुल्तानपुर में एक पीड़ित किसान को नौ साल लंबी कानूनी लड़ाई जीतने और तहसीलदार के स्पष्ट फैसले के बाद भी अपनी ही जमीन पर कब्जा नहीं मिल पा रहा है। प्रशासन की लापरवाही से पीड़ित किसान आज भी न्याय के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है।

मामला वर्ष 2016 का है, जब फौजीपुरा निवासी बालू उर्फ बाबू जाटव ने नांगल सुल्तानपुर निवासी रामस्वरूप, शंकर, राधे, राजेश, राजवीर और मुकेश मीणा के खिलाफ तहसीलदार अदालत में दावा किया था। पीड़ित ने आरोप लगाया था कि विपक्षियों ने उसकी खातेदारी की पांच बीघा भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा है। 9 साल तक चले लंबे अदालती सफर के बाद, पिछले साल 29 सितंबर 2025 को तहसीलदार ने परिवादी बालू जाटव के पक्ष में निर्णय सुनाया और दूसरे पक्ष को बेदखल कर उसे कब्जा दिलाने के आदेश जारी किए थे। तहसीलदार के इस निर्णय को करीब 9 महीने बीत चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस दौरान तहसीलदार दिनेश मीणा ने 8 अक्टूबर, 7 नवंबर, 18 नवंबर और 1 दिसंबर 2025 को जिला कलेक्टर और एसपी को पत्र लिखकर कब्जा दिलाने के लिए पुलिस जाप्ता भी मांगा। एक बार प्रशासन का दस्ता मौके पर गया भी, लेकिन दूसरे पक्ष के कड़े विरोध के चलते उन्हें बिना कार्रवाई के बैरंग लौटना पड़ा था। इसके बाद पीड़ित किसान ने 10 दिसंबर 2025 और हाल ही में 22 मई 2026 को जिला कलेक्टर के सामने गुहार लगाई। कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार को 7 दिन के भीतर निर्णय की पालना कराने (कब्जा दिलाने) के सख्त निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अब तक पीड़ित किसान को न्याय नहीं मिल सका है। इस सम्बंध में अमन चौधरी एसडीएम ने कहा कि टोडाभीम भूमि पर बेदखली संबंधी यह मामला मेरे संज्ञान में नहीं है। कार्यालय समय में पूरे मामले की जांच कर न्यायोचित कार्यवाही की जाएगी।

अकबरपुर महिला एसएचओ पर पिता व पुत्र के साथ मारपीट का आरोप

- डेढ सौ से ज्यादा ग्रामीण एसएचओ की शिकायत करने एसपी निवास पहुंचे और अवैध वसूली की भी शिकायत की
- एसपी ने गांव के लोगों की बात सुनकर थाना अधिकारी सीमा सिनसिनवार के बर्ताव की जांच सिटी सीओ को दी

अलवर, (निसं)। रविवार को दो गांवों के करीब 150 से अधिक लोग एसपी आवास पहुंचे, यहां अकबरपुर थाना अधिकारी सीमा सिनसिनवार के खिलाफ गांव में एक पिता-पुत्र के साथ मारपीट करने के आरोप लगाए। साथ ही अवैध वसूली की भी शिकायत की। एसपी ने गांव के लोगों की बात सुनकर थानाधिकारी सीमा सिनसिनवार के बर्ताव की जांच सिटी सीओ को दी है। इसके साथ गांव वालों के साथ आए हिस्ट्रीशीटर और रेप के आरोपियों की जांच भी होगी।

ग्रामीणों ने एसपी को शिकायत दी कि शनिवार शाम को एसएचओ सीमा सिनसिनवार ने एक व्यक्ति के साथ बेरहमी से मारपीट की। पुलिस ने व्यक्ति के नाबालिग बेटे से भी मारपीट की। ग्रामीणों ने बताया कि इस दौरान एक अन्य युवक प्याज से भरा ट्रैक्टर लेकर जा रहा था। पुलिस ने रास्ते में ट्रैक्टर को रुकवाया। मारपीट की और बिना किसी ठोस वजह के ट्रैक्टर को थाने ले जाकर जब्त कर लिया।

महिला एसएचओ सीमा का कहना है कि एक व्यक्ति पॉक्सो का दोषी है। पुलिस को पता नहीं था कि बाइक चला रहा नाबालिग कौन है। उसे रोका तो उसका पिता आ गया। उसने पुलिस से गलत बर्ताव किया। इसके बाद पुलिस ने पकड़ना चाहा तो फरार हो गया। थानाधिकारी सिनसिनवार ने दावा किया कि एसपी से शिकायत करने पहुंचे लोगों में एक व्यक्ति इलाके का नामी हिस्ट्रीशीटर है। इसके अलावा, प्रदर्शन दो-तीन लोगों के बच्चों के खिलाफ पहले से ही म्यूल अकाउंट (अपराधिक रिकॉर्ड/खातों) में मामले दर्ज हैं।

इस मामले में अलवर एसपी सुधीर चौधरी ने कहा कि गांव वालों की शिकायत पर महिला एसएचओ के गलत बर्ताव करने की जांच सिटी सीओ को दी है। अपराधी किस्म के लोग आए हैं तो उसकी जांच कराई जाएगी। बाकी अपराध करने वालों को पकड़ना पुलिस का काम है।

'स्वच्छता का काम अकेले सरकार का नहीं, बल्कि जनसहभागिता से ही संभव है'

- ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कनवास क्षेत्र के कई गांवों का दौरा कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया
- 'गांवों को स्वच्छ रखने की सीधी जिम्मेदारी ग्राम सचिव की होगी जिन गांवों में गंदगी और अव्यवस्था पाई गई, वहां के सचिव के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी'

कोटा, (निसं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर रविवार को कनवास क्षेत्र के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के मामोर, लोढ़ाहेड़ा, धूलेट, दांता और बांसखेड़ी सहित कई गांवों का दौरा कर निरीक्षण किया। मंत्री नागर ने गांवों में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया, ग्रामीण रास्तों की स्थिति देखी और ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी जन समस्याएं सुनीं। उन्होंने मौके पर ही मौजूद अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निस्तारण के कड़े निर्देश दिए। ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि आप सभी केवल 8 दिन अपने गांव की सफाई के लिए समर्पित कर दें। इसके बाद महीने में सिर्फ एक दिन हम सभी मिलकर एक बड़ा सफाई अभियान चलाएंगे। ऐसा करने से हमारे गांव पूरी तरह साफ हो जाएंगे और कचरे का नामोनिशान मिट जाएगा। यह काम अकेले सरकार का नहीं, बल्कि जनसहभागिता से ही संभव है।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कनवास क्षेत्र के लोढ़ाहेड़ा में जनसुनवाई की।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने देश के प्रधानमंत्री का उदाहरण देते हुए कहा कि जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए स्वयं हाथों में झाड़ू थाम सकते हैं, तो हमें अपने ही गांव को साफ करने में कोई शर्म या झिझक नहीं होनी चाहिए। स्वच्छता हम सबकी पहली जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान नालियों में फंसे पॉलिथीन को देखकर मंत्री नागर ने गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने ग्रामीणों को समझाते हुए कहा कि नालियों में पड़ी पॉलिथीन को अक्सर बेसहारा गायें खा लेती हैं, जिससे उनकी अकाल मृत्यु तक हो जाती है। यह एक गंभीर पाप है, जिससे हमें बचना होगा। गांवों को कचरा मुक्त बनाने के लिए उन्होंने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि क्षेत्र के हर घर में दो-दो डस्टबिन (कूड़ेदान) दिए जाएंगे। ग्रामीणों को इसमें गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डालना होगा। जब कचरा संग्रहण गाड़ी गांव में आए, तो दोनों तरह का कचरा अलग-अलग ही गाड़ी में डालना सुनिश्चित करें ताकि उसका सही निस्तारण हो सके। ऊर्जा मंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि स्वच्छता अभियान को लेकर किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैं स्वयं, प्रधान और ब्लॉक विकास अधिकारी जल्द ही दोबारा इन गांवों का औचक निरीक्षण करने आएंगे। उस समय गांवों में धरातल पर सफाई नजर आनी चाहिए।

मंत्री नागर ने कहा कि गांवों को स्वच्छ रखने की सीधी जिम्मेदारी ग्राम सचिव की होगी। जो ग्राम सचिव अपने क्षेत्र में बेहतरीन काम करेंगे और गांवों को आदर्श स्वच्छ गांव बनाएंगे, उन्हें सार्वजनिक रूप से पुरस्कृत किया जाएगा। इसके विपरीत, जिन गांवों में गंदगी और अव्यवस्था पाई गई, वहां के जिम्मेदार सचिव के खिलाफ तुरंत सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। दौरे के दौरान मंत्री नागर ने विभिन्न गांवों में चौपाल लगाकर जनसुनवाई की। ग्रामीणों ने बिजली, पानी, सड़क और मौसमी बीमारियों से जुड़ी अपनी समस्याएं मंत्री के सामने रखीं। मंत्री नागर ने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि ग्रामीण रास्तों को सुधारा जाए और आमजन की समस्याओं का समय सीमा के भीतर समाधान कर उन्हें राहत पहुंचाई जाए।

इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रधान जयवीर सिंह अमृतकुआं, उप प्रधान ओम नागर अड्सा, क्रय विक्रय सहकारी समिति के अध्यक्ष ओम मेहता, बीडीओ सहित विभिन्न विभागों के आला अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जोधपुर मंडल ने 1.61 करोड़ का जुर्माना वसूला

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने मई 2026 में टिकट जांच अभियान के दौरान रिकॉर्ड राजस्व अर्जित करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मंडल ने बिना टिकट यात्रा, अनियमित टिकट, गंदगी फैलाने और धूम्रपान के मामलों में कुल 1 करोड़ 60 लाख 88 हजार 106 रुपए की वसूली की, जो अब तक का सर्वाधिक जुर्माना राजस्व है। इससे पहले अप्रैल माह में लगभग 1.40 करोड़ रुपए की वसूली हुई थी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हितेश यादव ने बताया कि मई माह में टिकट जांच दस्तों ने बिना टिकट यात्रा करते पाए गए लगभग 13 हजार यात्रियों से 80 लाख 60 हजार रुपए तथा अनियमित टिकट पर यात्रा कर रहे लगभग 13 हजार यात्रियों से 77 लाख 41 हजार रुपए का जुर्माना वसूला। इसके अतिरिक्त ट्रेनों और रेलवे परिसरों में स्वच्छता एवं सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर भी कार्रवाई की गई। गंदगी फैलाने के 2225 मामलों में 2 लाख 43 हजार 850 रुपए तथा धूम्रपान के 102 मामलों में 20 हजार 700 रुपए का जुर्माना वसूला गया। साथ ही यात्रियों को रेलवे परिसर में स्वच्छता बनाए रखने और धूम्रपान निषेध नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया।

सेना के जवान का निधन, सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी

- पैतृक गांव भादूण की ढाणी, समराऊ में सैन्य सम्मान से अंतिम संस्कार किया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के सेना के जवान जयप्रकाश का इलाज के दौरान निधन हो गया। रविवार को उनका पार्थिव शरीर ओसियां के भादूण की ढाणी, समराऊ लाया गया। वहां सैन्य सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

जानकारी के अनुसार जवान जयप्रकाश 10 दिन की छुट्टी पर आए थे और दोबारा ड्यूटी जॉइन करने जा रहे थे। इस बीच तबीयत बिगड़ गई थी। उनका इलाज बेस अस्पताल, दिल्ली कैंट के आईसीयू में चल रहा था। इलाज के दौरान उन्हें अचानक उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया, डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की कोशिश की लेकिन, बचा नहीं पाए। जयप्रकाश 230 मेड रेजिमेंट में गनर पद पर तैनात थे। रविवार को दोपहर करीब 12:30 बजे उनका पार्थिव देह गांव में पहुंचा। जहां सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। सूत्रों के अनुसार, जयप्रकाश 21 मई से 31 मई 2026 तक 10 दिनों की छुट्टियों के लिए आए थे। 1 जून 2026 को उन्हें यूनिट में रिपोर्ट करना था, लेकिन वे रिपोर्ट नहीं कर पाए। 1 जून को जब सीनियर जेसीओ सूबेदार रूपेश कुमार झा ने जयप्रकाश से कॉन्टैक्ट किया तो उन्होंने बताया कि वे दिल्ली में हैं और उनकी कनेक्टिंग फ्लाइट छूट गई है। वे 2 जून को शाम 5:30 बजे की फ्लाइट से आएंगे। इसके बाद 2 जून को दोबारा अधिकारियों ने जयप्रकाश से बात की, तो उन्होंने बताया कि वे शाम की फ्लाइट से रवाना हो जाएंगे। लेकिन, 3 जून को उन्होंने कॉल उठाना बंद कर दिया। इस बीच 3 जून की रात को करीब 9:40 बजे दिल्ली के आसिफ अली हॉस्पिटल के मेडिकल ऑफिसर ने सूचना दी, कि जयप्रकाश को यूपी के सिविल लाइंस, उटारी में एडमिट करवाया गया है। 4 जून की रात 12-15 बजे जयप्रकाश को लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में रेफर किया गया। इसके बाद 4 जून को उन्हें दिल्ली कैंट स्थित बेस अस्पताल के आईसीयू में एडमिट किया गया। जब उन्हें यहां लाया गया तो वे अचेत अवस्था में थे। लेकिन, 5 जून को उन्हें होश आ गया था और वे बातचीत कर रहे थे। इसी बीच 6 जून रात करीब 1 बजे उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया। इस दौरान डॉक्टरों ने उन्हें सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की। रात करीब 2:15 बजे बेस अस्पताल, दिल्ली कैंट के डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद रविवार को उनकी पार्थिव देह दिल्ली से जोधपुर पहुंची। जहां उनके पैतृक गांव भादूण की ढाणी, समराऊ में सैन्य सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई।